काव्यांश

भूगोल प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के पाठ्यक्रमानुसार

प्रथम सेमेस्टर

बी.ए./बी.एस.सी. के लिए

लेखक

डॉ. दिनेश कुमार जाखड़

Name …….. Father's Name ……..

Mother's Name …….. Class ……..

SR No./Roll No. …….. Sub. Teacher Name ……..

College ……..

Siddhi Vinayak Publications

Siddhi Vinayak Publications
Kulchander, Hanumangarh (Rajasthan) 335063
Call : 83063-09470
Website : www.svfct.com

© प्रकाशाधीन

मूल्य : ₹ 310.00

भूमिका

भूगोल एक विज्ञान है जो हमें पृथ्वी के भौगोलिक विश्लेषण के माध्यम से उसकी स्थिति, संरचना, और प्राकृतिक परिवर्तनों को समझने में मदद करता है। यह विज्ञान हमें समुद्र, नदी, पहाड़, जलवायु और जीवन के अन्य अंगों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। भौगोलिक तत्त्वों के सम्पर्क से उत्पन्न प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अध्ययन के माध्यम से हम ब्रह्मांड की अद्वितीयता को समझते हैं।

प्रायोगिक भूगोल वह शाखा है जो भूगोल के सिद्धांतों और सिद्धांतों के अनुसार तत्त्वों का अध्ययन करती है, जो विभिन्न अनुभवों और वास्तविकताओं के आधार पर होता है। इसमें भौगोलिक संशोधन, नक्शे बनाना और भौगोलिक प्रयोगों का अध्ययन शामिल होता है।

भूगोल प्रायोगिक अभ्यास की यह पुस्तिका एक ऐसा शैक्षिक साधन है जो छात्रों को भूगोल के अध्ययन के लिए सामग्री, अभ्यास और अभ्यास कार्यों को प्रदान करता है। यह छात्रों को भूगोल के सिद्धांतों, नक्शे पढ़ने के तरीकों, पृथ्वी के स्टीक अध्यन, फील्ड और भौगोलिक प्रक्रियाओं को समझने में मदद करता है। इसके माध्यम से छात्र वास्तविक जगहों व स्थानों का अध्ययन करते हैं और अभ्यास कार्यों के माध्यम से अपने ज्ञान को मजबूत करते हैं। यह प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका छात्रों को भौगोलिक अवधारणाओं क्रियाओं, प्रयोगों को समझने और लागू करने के लिए विभिन्न अभ्यासों और कार्यों की प्रेरणा देता है। यह एक महत्त्वपूर्ण साधन है जो छात्रों को भूगोल के महत्त्वपूर्ण अंशों को समझने में मदद करता है। यह प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका छात्र और अध्यापक दोनों के पास एक ऐसा महत्त्वपूर्ण औजार है जो विद्यार्थियों को भूगोल के अध्ययन को समझने और अनुप्रयोग करने में मदद करता है। यह पुस्तिका छात्रों को भूगोलीय तत्वों, प्रक्रियाओं और प्रभावों को समझाती है, जिससे उन्हें वास्तविक जीवन में उनके परिणामों को समझने में मदद मिलती है।

इस प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से छात्रों को भौगोलिक सिद्धांतों का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होता है, जैसे कि पृथ्वी की बनावट, पर्वत, पठार, मैदान, उच्चावच, गणना आदि के बारे में जानकारी प्रदान करती है। यह पुस्तिका छात्रों को ग्लोबल परिवेश के प्रभावों को समझने का मौका भी प्रदान करती है। इस पुस्तिका के माध्यम से विद्यार्थी भूगोलीय तथ्यों की गणना, चित्रण और विश्लेषण करने का कौशल विकसित करते हैं, जिससे उन्हें विशेष रूप से परिणामात्मक अध्ययन करने में मदद मिलती है। यह पुस्तिका अनुशासन, विचारशीलता, और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देती है, क्योंकि यह छात्रों को ग्लोबल समस्याओं के बारे में समझाती है और समाधान की दिशा में सोचने का अवसर प्रदान करती है। यह प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो छात्रों को भूगोल के विभिन्न पहलुओं को समझने और सीखने में मदद करती है। यह पुस्तिका छात्रों को अध्ययन सामग्री, प्रश्न पत्र, और अभ्यास कार्यों के माध्यम से भूगोल के विभिन्न मुद्दों को समझने में सहायक होती है।

इस अभ्यास पुस्तिका में ऐसे प्रश्नों को शामिल किया गया है, जो सामान्यतः परीक्षाओं में पूछे जाते हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए निर्धारित स्थान छोड़ा गया है। इस स्थानानुसार ही उसे अपना उत्तर प्रस्तुत करना है। जिन प्रश्नों के लिए रेखाचित्रों की आवश्यकता है उनके लिए प्रश्न के सामने या आगे ड्राईंग शीट लगाई गयी है। विद्यार्थी को चाहिए कि वह ड्राईंगशीट पर प्रश्न में नोट के रूप में दी गई Heading को ड्राईंगशीट पर लिखे। यदि विद्यार्थी को अतिरिक्त शीट की आवश्यकता है तो वह अतिरिक्त शीट जोड़ लेवें।

इस प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका का प्रारूप कुछ महत्त्वपूर्ण विशेषताओं से भरपूर है-

- **पूर्णता का ध्यान-** यह पुस्तिका पूरी तरह से बिना किसी अव्यवस्थितता के तैयार की गई है, ताकि छात्रों को सभी जानकारी मिल सके।
- **प्रभावी शैली-** पुस्तिका में सरल और सहज भाषा का प्रयोग किया गया है, ताकि छात्रों (Hindi & English Medium) को समझने में कोई कठिनाई न हो।
- **व्यापक सामग्री-** इस पुस्तिका में भूगोल के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है।
- **प्रश्न पत्रों का संग्रह-** यह पुस्तिका विभिन्न प्रकार के प्रश्न पत्रों का संग्रह प्रदान करती है, जो छात्रों को परीक्षा की तैयारी में सहायक होते हैं।
- **उदाहरणों और अभ्यास कार्यों की विशेषता-** यह पुस्तिका उदाहरणों और अभ्यास कार्यों के माध्यम से छात्रों को वास्तविक जीवन में भूगोल के प्रायोगिक सिद्धांतों को समझाने का अवसर प्रदान करती है।
- **प्रेरणा और समर्थन-** यह पुस्तिका छात्रों को प्रेरित करती है और उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करती है ताकि वे अध्ययन के प्रति संवेदनशील और अधिक उत्साही बन सकें।

भूगोल प्रायोगिक अभ्यास की यह पुस्तिका विद्यार्थियों के भौगोलिक एवं प्रायोगिक ज्ञान को मजबूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेगी ऐसा मेरा विश्वास है। यह प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका छात्रों को भूगोल के विभिन्न पहलुओं को समझने और सीखने में मदद करेगी। इसका प्रयोग करके छात्र अपने अध्ययन को मजबूत करेंगे और अधिक सफल होंगे।

शुभाकांक्षाओं सहित...

लेखक एवं संपादक

पाठ्यक्रम एवं प्रायोगिक अंक विभाजन

भूगोल प्रायोगिक

(Practical Geography)

First Semester

Course Code (GEO4.5DCCP12)

Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

PRACTICAL (प्रायोगिक)

Practical Paper Will Carry 40 Marks.

The Duration of the Practical Examination Shall be 6 Hours.

Scheme: 2 (Each of Two Hours Duration) Per week per batch of 40 students.

योजनाः प्रति बैच 40 विद्यार्थियों का प्रति सप्ताह 2 कालांश (प्रत्येक 2 घंटे की अवधि का) अध्ययन।

Arts & Science Practical:	Minimum Pass Marks: 14	Maximum Marks: 40
कला/विज्ञानः अवधि 6 घंटे	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 14	पूर्णांक : 40

Distribution of marks:		**Arts & Science**
1- Lab work/Written work: 2 hrs duration:		15
2- Record work & viva-voce: 2 hrs duration:		10 + 5 = 15
3- Field Survey & viva-voce: 2 hrs duration		7 + 3 = 10
	Total	**40**

Note: The candidate is required to answer/attend any three exercises (5 marks each) out of five exercises during Lab work/Written work and 40 candidates shall be examined in one batch.

CONTENTS (पाठ्यक्रम)

1. Scale- Plain, Comparative and Diagonal.
   मापनी- सरल, तुलनात्मक और विकर्ण।
2. Enlargement, Reduction and Combination of Maps.
   मानचित्रों का विवर्धन, लघुकरण और संयोजन।
3. Chain-Tape Survey.
   जरीब-फीता सर्वेक्षण।
4. Mean, Median, Mode and Standard Deviation.
   माध्य, माध्यिका, बहुलक और मानक विचलन।

अनुक्रमणिका

(Index)

SN	अध्याय (Chaper)	Page No.
1	मापनी (Scale)	1 – 13
2	मानचित्रों का विवर्धन, लघुकरण एवं संयुक्तिकरण/संयोजन (Enlargement, Reduction and Combination of Maps)	14 – 20
3	जरीब व फीता सर्वेक्षण (Chain and Tape Surveying)	21 – 25
4	सांख्यिकी विधियाँ (Statistical Method)	25 – 37